लोकतंत्र की आत्मा है - संवाद

हरियाणा संवाद

पाक्षिक 1-15 फरवरी 2021 www.haryanasamvad.gov.in अंक-11

"मैं कल्पना में यकीन करता हूं। जो मैं देख सकता हूं, उससे कहीं अधिक वह जरूरी है जो मैं देख नहीं सकता।"
: डूएन माइकल्स

चंडीगढ़ व हिसार के बीच हवाई सेवा शुरू

3

वीटा बूथ पर मिलेगा हल्दी दूध व बाजरे के बिस्कुट

5

'मेघ मेखला' व 'रेशमी रस्सियां' का लोकार्पण

6

चहुंमुखी विकास की प्रतिबद्धता

हरियाणा में 72वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया गया। राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने चंडीगढ़ स्थित राजभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जबकि मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने पंचकूला में ध्वजारोहण किया और संदेश दिया।

विशेष प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार प्रदेश का समान दृष्टिकोण से चहुंमुखी विकास करा रही है। गत छह वर्ष में प्रदेश का अभूतपूर्व विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के विज़न को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। हरियाणा देश का एकमात्र राज्य है जहां न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सभी फसलों की खरीद की जा रही है।

5223 गांवों में 24 घंटे बिजली

हरियाणा में गांवों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के अपने वायदे को पूरा करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 'म्हारा गांव-जगमग गांव' योजना के तहत 223 और गांवों को शामिल करने की घोषणा की। इन गांवों को 24 घंटे बिजली मिलनी शुरू हो जाएगी। इस प्रकार अब 24 घंटे बिजली मिलने वाले गांवों की कुल संख्या 5,223 हो गई है। वर्तमान में लगभग 1,500 गांव ऐसे हैं जहां 16 घंटे से 21 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। इन गांवों को भी जल्द ही 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

बीपीएल प्रमाण पत्र के लिए आय सीमा बढ़ाई

मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने प्रदेश में गरीबी रेखा से नीचे श्रेणी के तहत लाभार्थी के रूप में पात्रता के लिए पारिवारिक आय की सीमा 1 लाख 20 हजार रुपए वार्षिक से बढ़ाकर एक लाख 80 हजार रुपए कर दी है, ताकि अधिकतम पात्र परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ऐसे परिवारों का सर्वेक्षण किया जा रहा है और यह जल्द ही पूरा हो जाएगा। राज्य में उन परिवारों, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रुपए से कम है, के लिए अप्रैल महीने से एक योजना लागू की जाएगी। सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा कि ऐसे परिवारों को कम से कम एक लाख रुपए प्रतिवर्ष की आय अवश्य हो।

राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य ने राजभवन के प्रांगण में आयोजित समारोह में ध्वजारोहण कर परेड का निरीक्षण किया और मार्च पास्ट की सलामी ली। राज्यपाल ने प्रदेश के लोगों से आह्वान किया है कि गणतंत्र दिवस के इस ऐतिहासिक दिवस पर राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बनाये रखने तथा देश के नव-निर्माण के लिए मिलकर काम करें। राज्यपाल ने कहा कि कोरोना संक्रमण के बचाव के लिए डॉक्टर, नर्स, पुलिसकर्मी, बिजली, सफाईकर्मी व स्वयंसेवकों ने अपनी जान हथेली पर रखकर कार्य किया है, उनको ढेर सारी बधाई।

सराहनीय कदम

- प्रशासनिक व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने और भ्रष्टाचार मुक्त शासन प्रदान करने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए गए हैं।
- स्वतंत्रता सेनानियों और उनकी विधवाओं को 25,000 रुपए की मासिक पेंशन की गई।
- एक्स-ग्रेशिया ग्रांट 20 लाख से रुपए से बढ़ाकर 50 लाख रुपए की गई।
- मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटें 750 से बढ़ाकर 1,750 कर दी गई।
- गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सालाना 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज प्रदान करने के लिए राज्य में 'आयुष्मान भारत-प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना' लागू की गई है।
- हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग द्वारा विज्ञापित विभिन्न पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों द्वारा बार-बार पंजीकरण से बचने के लिए 'वन-टाइम पंजीकरण पोर्टल' शुरू किया गया।
- ग्रुप 'सी' और 'डी' के विभिन्न पदों के लिए बार-बार परीक्षा से छुटकारा पाने के लिए 'कॉमन पात्रता परीक्षा' का प्रावधान भी किया गया है।
- प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर संस्कृति मॉडल स्कूल खोले जा रहे हैं।
- प्रदेश में 48,000 नए उद्योग स्थापित हुए, जिनमें 5 लाख युवाओं को रोजगार मिला है।
- राज्य के 21 जिलों में औद्योगिक क्लस्टर स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है।
- ग्रामीण क्षेत्रों को डिजिटल बनाने के लिए 'ग्राम दर्शन पोर्टल' शुरू किया गया है और ग्रामीणों को एक छत के नीचे सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए गांवों में ग्राम सचिवालयों का निर्माण किया गया है।
- 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के परिणामस्वरूप प्रदेश का लिंगानुपात जो वर्ष 2014 में 871 था, आज 922 तक पहुंच गया है।

जन-गण-मन

सरकारी नौकरी, तबादले, विकास कार्यों के ठेके, तहसील, आरटीए कार्यालय, पोस्टिंग, सीएलयू व कुछ अन्य क्षेत्र ऐसे रहे हैं जिन पर पूर्वकाल में 'लेन-देन' की खेती होती रही है। खेती करने वालों ने उसे इस अंदाज में किया कि सूबे के लोगों को यह अहसास नहीं होने दिया कि यह सब व्यवस्था का हिस्सा नहीं है। वोटों की खाद मारकर सींचते चले गए।

सूबे के लोगों ने भी थक हारकर लेन-देन की फसल को व्यवस्था का हिस्सा मान लिया। हर पांच वर्ष बाद कुछ गर्जना होती और कुछ समय बाद वही फसल लहलहाने लगती। ऐसे में बची खुची प्रतिकार की भावना समर्पण कर चुकी थी।

लब्बोलुआब खाली खेती के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ता चला गया। राजनीति में आने की होड़ जोर मारने लगी। नुमाइंदों के आगे-पीछे उमड़ने वाली भीड़ बताने लगी थी कि इस खेती के क्या मायने हैं। समय के साथ माहौल प्रतिस्पर्धात्मक होता गया। क्षेत्रवाद, भाई भतीजावाद व अन्य वादों की वजह से समाज में असंतोष उफनने लगा।

वर्ष 2014 में भाजपा की सरकार बनी। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने बिना किसी लाग लपेट, शर्तों के पार होकर शासन की बागडोर संभाली। यह पहली सरकार थी जिसके जनप्रतिनिधियों ने चुनाव जीतने व सरकार में शामिल होने के बाद किसी अभिनन्दन की औचारिकता में रुचि नहीं दिखाई। बिना समय गंवाए काम की बात की। 'सबका साथ सबका विकास' का नारा लेकर 'बिन पर्ची बिन खर्ची' की नीति को लागू करने का संकल्प लिया। न केवल संकल्प लिया बल्कि उस दिशा में समर्पित भावना से कार्य भी किया। परिणाम यह रहा कि 2019 के चुनाव में मुख्यमंत्री की नीयत पर सवाल उठाने वाला कोई नहीं था।

प्रदेश की वर्तमान गठबंधन सरकार उन्हीं संकल्पों के आधार पर निरंतर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने राजकीय कार्यों में पारदर्शिता लाने व व्यवस्था के हर कोने से भ्रष्टाचार की गुंजाइश को समाप्त करने का संकल्प लिया है। इन्ही प्रयासों के चलते पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को ऑनलाइन किया जा रहा है।

नौकरियां मैरिट के आधार पर व तबादले ऑनलाइन किए गए हैं। डी-वर्ग के कर्मचारियों की भर्ती में साक्षात्कार को पूरी तरह समाप्त कर दिया है और सामान्य पदों के साक्षात्कार मात्र 12 फीसदी कर दिया गया है।

ऊपर से लेकर नीचे तक के सभी राजकीय कार्यालयों का कामकाज पेपरलैस होने जा रहा है। पांच सौ से अधिक सरकारी सेवाएं ऑनलाइन प्रदान की जा रही हैं। ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में अटल सेवा केंद्र खोले गए हैं।

सीएलयू के लिए पंजीकरण ऑनलाइन किया गया है। विकास कार्यों का जो पैसा जारी होता है वह सीधे योजना पर खर्च होता है। सरकारी कामकाज में 'तीन दो पांच' करने वालों को जेल भेजने का कार्य भी किया जा रहा है।

वर्तमान सरकार जीरो टोलरेंस पर काम कर रही है। 'लेन देन' का कोई खाता नहीं है। हालांकि सुधार की गुंजाइश है जिसके लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है लेकिन यह तभी फलीभूत होगा जब हम सब प्रदेशवासी राज्य सरकार की नीतियों पर भरोसा जताते हुए एकता, समानता व आपसी सहयोग का संकल्प लें और जन-गण-मन के साथ प्रदेश की विकास यात्रा पर चलें।

मनोज प्रभाकर

संपादकीय

आत्मअवलोकन करें और आगे बढ़ें

भागदौड़ की जिंदगी में बस भागे चले जा रहे हैं। इतनी फुर्सत भी नहीं कि जरा ठहरकर यह चिंतन कर सकें कि हम किधर जा रहे हैं ? ठीक भी जा रहे हैं या गलत कदम उठ रहे हैं? बस एक सांस भागे चले जा रहे हैं।

क्या यह सही नहीं होगा कि कभी कभार खुद का अवलोकन कर लिया जाए कि हम कहां जा रहे हैं। इसमें परिवर्तन की क्या जरूरत है ? हैरानी की बात यह है कि बैठ- बैठे भी भागे जा रहे हैं। चलते-चलते तो और तेजी से भागे जा रहे हैं।

एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग में एक दिन में करीब साठ हजार विचार आते हैं। इतने विचारों पर नजर रखना बहुत मुश्किल है। पर हमारे पास एक आसान तरीका है यह जानने का कि हमारे विचार सही हैं या गलत, और वह तरीका है हमारी भावनाएं। अपनी भावनाओं से हम जान सकते हैं कि हम सही सोच रहे हैं या गलत।

हमारी भावनाएं दो तरह की होती हैं- अच्छी भावनाएं और बुरी भावनाएं। जब हम अच्छा महसूस कर रहे होते हैं, तो समझ लीजिए कि हम सही रास्ते पर हैं। प्यार, उमंग, खुशी और आभार व्यक्त करना अच्छी भावनाओं के कुछ उदाहरण हैं। जब हम बुरा महसूस करते हैं, तो हम गलत रास्ते पर होते हैं। तब हम और भी बुरी परिस्थितियों को अपने जीवन में आकर्षित करते हैं। गुस्सा, निराशा, पछतावा और शिकायत करना बुरी भावनाओं के कुछ उदाहरण हैं।

कई बार देखा है कि एक के बाद एक सब कुछ गलत होता चला जाता है। यह सब केवल एक विचार से शुरू होता है। एक खराब विचार अन्य खराब विचारों को आकर्षित करता है, जिससे उनकी बारंबारता बढ़ जाती है और जीवन में कुछ न कुछ अप्रिय घटित होता है। इस तरह यह सिलसिला चलता रहता है, जब तक कि विचारों पर अंकुश नहीं लगा दिया जाता। आत्मअवलोकन के बाद चिंतन का परिणाम देखना है तो सकारात्मक सोचना प्रारंभ करें।

- डा. चंद्र त्रिखा

शहरी तर्ज पर विकसित होते गांव

ग्रामीण परिवेश मे स्थानीय स्तर पर रोजगार के साधन उपलब्ध हों व मूलभूत सुविधाएं मिलें, ऐसा राज्य सरकार का प्रयास है।

'श्यामा प्रसाद मुखर्जी रूर्बन मिशन' योजना इस प्रयास की अहम कड़ी है। योजना के तहत शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली से लेकर सड़कों का कायाकल्प हो रहा है। योजना 2016 में शुरू हुई थी जिसका उद्देश्य गांव का शहरी तर्ज पर विकास करना है ताकि ग्रामीणों को अपनी जरूरत का सामान या सुविधाएं गांव स्तर पर उपलब्ध हों। योजना में दस कलस्टर बनाए गए है। एक कलस्टर में 15 से 20 गांव है। जिनका शहरी तर्ज पर विकास होना है।

योजना के प्रथम चरण में अंबाला, फतेहाबाद, जींद, करनाल, झज्जर, व रेवाड़ी जिलों में मुलाना, समैन, उचाना खुर्द, बल्ला बादली व कोसली को चुना गया है। दूसरे और तीसरे चरण में पंचकुला का गणेशपुर, पानीपत का सिवाह, फरीदाबाद का तिगांव और मेवात के गांव सिंगार को लिया गया है। इन दस कलस्टरों में विकास कार्य जारी हैं। योजना के दूसरे पड़ाव में प्रदेश के 22 जिलों को लेने की योजना है।

अंबाला के मुलाना कलस्टर में 14 गांव हैं। यहां के राजूखेड़ी गांव में 220 केवी का सबस्टेशन बनाया गया है ताकि ग्रामीणों को 24 घंटे बिजली मिले। आठ गांव की 22 आंगनवाड़ी को अपग्रेड किया गया है। अपग्रेडेशन के बाद आंगनवाड़ी में नन्हे बच्चों का ग्राफ बढ़ा है। आंगनवाड़ी में स्मार्ट टीवी, एसी, फ्रिज, बच्चों के खेलने के लिए खिलौने और सुरक्षा के लिए कैमरे लगवाए गए हैं। इसी प्रकार मुलाना में सीएचसी की बिल्डिंग को अपग्रेड किया गया है तथा बुनियादी ढांचे को ऊंचा किया गया है।

योजना में महिला सशक्तिकरण के लिए ग्रामीण महिलाओं के स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं। साथ ही समूह की महिलाओं को रोजगार के लिए प्रशिक्षित भी किया गया है। प्रशिक्षण में ग्रामीण महिलाओं को मास्क, सेनेटाइजर, मोमबत्ती, आचार, मसाले और उत्पाद की पैकिंग से संबंधित ट्रेनिंग दी गई। स्वयं सहायता समूह बनने से ग्रामीण महिलाएं स्वावलंबी हुई है।

वे अपने प्रोडक्ट बाजार में बेच रही हैं। उनके उत्पाद को रजिस्ट्रेशन कराने की सुविधा भी मिल रही है।

अन्य भी कई तरह के विकास कार्य रूर्बन मिशन में प्रगति पर है जैसे युवाओं के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण, वोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, डिजिटल साक्षरता, सार्वजनिक परिवहन, गांव के बीच सड़क संपर्क, स्ट्रीट लाइट और कृषि सेवाएं, जिनसे अंचल की तस्वीर बदल रही है।

कलस्टरों की संख्या बढ़ाई जाएगी: हरदीप सिंह

ग्रामीण विकास विभाग के निदेशक हरदीप सिंह ने कहा कि रूर्बन मिशन योजना में गांव को शहरी तौर पर विकसित किया जा रहा है। योजना के पहले पड़ाव में प्रदेश से दस कलस्टर लिए गए है। रूर्बन मिशन योजना पार्ट-2 में कलस्टर की संख्या बढ़ाई जाएगी। योजना में कई बड़े कार्य हुए हैं तथा कई अन्य कार्य प्रगति पर है जिन्हें जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

-मनोज चौहान

श्रमिकों को आर्थिक सहायता

हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भवन एवं सन्निर्माण श्रमिकों को कई तरह की सुविधाएं दी जा रही हैं।

हरियाणा भवन एवं सन्निर्माण श्रम कल्याण बोर्ड द्वारा श्रमिकों की बेटी की शादी के लिए 51,000 रुपए की राशि कन्यादान के रूप में दी जा रही है। यह राशि श्रमिक की तीन बेटियों तक दी जाती है। इसी तरह, मकान की खरीद अथवा निर्माण हेतु दो लाख रुपए तक ब्याज मुक्त ऋण तथा मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत श्रमिक की मृत्यु पर पांच लाख रुपए सहायता राशि भी प्रदान की जाती है।

योजनाएं

- विधवा पेंशन के तहत 2 हजार रुपए प्रतिमाह, मातृत्व लाभ के लिए 36 हजार रुपए, पितृत्व लाभ के लिए 21 हजार रुपए दिए जाते हैं।
- कामगारों को पांच वर्ष में एक बार नए औजारों की खरीद हेतु 8 हजार रुपए दिए जाते हैं।
- पंजीकृत महिला कामगारों को उनकी सदस्यता के नवीनीकरण के समय साड़ी, सूट, चप्पल, रेन कोट, छाता, खड़ मैट्रेस, बर्तन तथा नैपकीन आदि खरीदने के लिए 5,100 रुपए की राशि दी जाती है।
- कामगारों को साइकिल खरीदने के लिए 3,000 रुपए की वित्तीय राशि, जबकि महिला श्रमिक को सिलाई मशीन दी जाती है।
- पंजीकृत कामगार व उसके परिवार के चार सदस्यों को चार वर्ष में एक बार धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण हेतु रेलवे की द्वितीय श्रेणी व साधारण रोडवेज बसों का किराया दिया जाता है।
- पंजीकृत कामगारों के जो बच्चे मेडिकल अथॉरिटी द्वारा 50 प्रतिशत या इससे अधिक शारीरिक अथवा मानसिक रूप से अक्षम व दिव्यांग घोषित किए गए हैं, उन्हें 2,000 रुपए प्रतिमाह सहायता राशि दी जाती है।
- कार्यस्थल पर किसी दुर्घटना में स्थाई रूप से दिव्यांग होने पर पंजीकृत कामगार को दिव्यांग प्रतिशतता के आधार पर डेढ़ से तीन लाख रुपए तक की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाती है।
- किसी संक्रामक बीमारी या कार्य स्थल पर दुर्घटना के कारण दिव्यांग होने पर उसे 3,000 रुपए प्रतिमाह पेंशन भी दी जाती है।
- अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर-1800-180-2129 पर संपर्क किया जा सकता है।
- हरियाणा श्रम कल्याण बोर्ड के वैब पोर्टल hrylabour.gov.in पर जाकर भी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

स्मार्टफोन से कर निरीक्षण

उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने आबकारी एवं कराधान विभाग के लिए 'जीएसटी-पीवी' एप का प्रोटोटाइप लॉन्च किया। इस ऐप के माध्यम से आबकारी और कराधान विभाग के सभी कर-निरीक्षक अपने स्मार्टफोन से करदाताओं के परिसर का भौतिक सत्यापन करेंगे।

क्या खास है ऐप में

- यह ऐप उन फर्जी फर्मों का जल्द पता लगाने में मदद करेगा जो गलत इनपुट टैक्स-क्रेडिट पास कराती हैं।
- यह ऐप टैक्स के रजिस्ट्रेशन में सहायक होगा जिससे विभाग के समय और संसाधनों की बचत होगी।
- फिलहाल कर-निरीक्षकों को किसी फर्म में जाकर वहां दस्तावेज लेकर मैन्युअल रूप से रिकॉर्ड करना पड़ता है जिससे कई बार गलत और असंगत डेटा भरने की शिकायतें मिलती हैं।
- इस ऐप के माध्यम से पूरी प्रक्रिया ऑटोमैटिक होगा और कर-निरीक्षक अपना डेटा सीधा फीड कर सकते हैं।
- फील्ड में फर्म का मौके पर निरीक्षण करने जाने से पहले कर-निरीक्षकों के पास सत्यापन के लिए टैक्स के मामलों को 'सेव' करने का विकल्प होगा, ताकि वास्तविक निरीक्षण के बाद सत्यापन किया जा सके।
- पहले कुछ कर-निरीक्षक ऑफिस में बैठे-बैठे ही करदाताओं की प्रविष्टियों को भर देते थे, परंतु अब ऐप के माध्यम से उसको भरने के लिए फर्म में जाना पड़ेगा।
- जब कर-निरीक्षक फिजिकल वेरिफिकेशन करने जाएगा तो उस समय ऐप ऑटोमेटिक रूप से जीपीएस निर्देशांक/स्थान और फर्म के परिसर की तस्वीरें ले लेगा।
- सिस्टम में मैन्युअली रूप से फीड करने की आवश्यकता नहीं होगी।
- कर-निरीक्षक किसी भी फर्म का पंजीकरण विवरण देख और ऐप के माध्यम से अधिकृत प्रतिनिधियों से संपर्क कर सकते हैं।
- कर निरीक्षक फर्म के परिसर के फोटो और संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य दोनों को कैप्चर करने के लिए अपने मोबाइल कैमरे का उपयोग करने में सक्षम होंगे।
- कर निरीक्षक फिजिकल वेरीफिकेशन के समय कॉमन पोर्टल पर अपलोड किए दस्तावेजों को देख और सत्यापित कर सकेंगे।

सलाहकार संपादक : डा. चंद्र त्रिखा
सह संपादक : मनोज प्रभाकर
संपादकीय टीम : संगीता शर्मा, सुरेंद्र मलिक, मनोज चौहान
संपादन सहायक : सुरेंद्र बांसल
चित्रांकन एवं डिजाइन : गुरप्रीत सिंह
डिजिटल सपोर्ट : विकास डांगी

जिला फरीदाबाद के बल्लभगढ़ स्थित राजकीय महिला कॉलेज को अब पूर्व विदेश मंत्री स्वर्गीय श्रीमती सुषमा स्वराज के नाम से जाना जाएगा।

हरियाणा पुलिस द्वारा चलाई जा रही 'नो योर केस' योजना के तहत वर्ष 2020 में 1.66 लाख से अधिक नागरिकों ने पुलिस थानों व चैकियों में जाकर अपने केस की मौजूदा स्थिति की जानकारी हासिल की।

खेल-खिलाड़ियों को प्रोत्साहन

हरियाणा खेल विकास एवं कल्याण समिति द्वारा खेल पुरस्कार विजेताओं का मानदेय बढ़ाने पर उनके सम्मान में पंचकुला में एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल के अलावा केंद्रीय जल शक्ति राज्यमंत्री श्री रतन लाल कटारिया, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री ज्ञान चंद गुप्ता और खेल एवं युवा मामले राज्य मंत्री श्री संदीप सिंह मौजूद रहे।

स्वामी विवेकानंद के जन्म दिन पर आयोजित समारोह में श्री मनोहरलाल ने कहा कि यह दिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा उम्र से नहीं, बल्कि कामों से होता है। बचपन में स्वामी विवेकानंद का नाम नरेंद्र था जिन्होंने समाज सुधार का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नींव अच्छी होगी तो इमारत अपने आप अच्छी बनती है। इसलिए सबसे पहले हमें बचपन को संभालना है। उन्हें ठीक से शिक्षित और संस्कारित करना है, तभी भविष्य उज्ज्वल होगा।

- बेहतरीन खेल नीति की बदौलत विभिन्न खेल स्पर्धाओं में कुल पदकों का 33 प्रतिशत हरियाणा के खिलाड़ी लेकर आते हैं।
- हरियाणा में दी जाने वाली पुरस्कार राशि देश-दुनिया में सबसे ज़्यादा है।
- राज्य सरकार द्वारा ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को छह करोड़ रुपए, रजत पदक विजेता को चार करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को अढ़ाई करोड़ रुपए की राशि दी जाती है।
- इसके अलावा, अन्य खेलों के पदक विजेताओं को भी यथोचित सम्मान दिया जाता है।
- अर्जुन अवॉर्डी को प्रतिमाह सम्मान राशि 2008 में 5,000 रुपए की राशि दी जाती थी जिसे अब बढ़ाकर 20,000 रुपए कर दिया गया है।
- प्रदेश में 500 से अधिक खेल नर्सरियां चलाई जा रही हैं।

चंडीगढ़ व हिसार के बीच हवाई सेवा शुरू

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट से चंडीगढ़ और हिसार के बीच हवाई सेवा की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर इस उड़ान के पहले यात्री को बोर्डिंग पास दिया एवं हवाई पट्टी पर जाकर जहाज के बारे में जानकारी ली। यह सेवा एयर टैक्सी एविएशन कंपनी ने शुरू की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में हवाई सेवाओं की दिशा में आज एक नए अध्याय की शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति के शुभ दिन चंडीगढ़ से हिसार हवाई सेवा शुरू होने पर मैं सभी को शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूं। एयर टैक्सी कंपनी ने चार सीटर हवाई जहाज मंगाए हैं। इसमें एक समय में पायलट के अलावा तीन लोग यात्रा कर सकेंगे। इस हवाई जहाज से चंडीगढ़ से हिसार की दूरी 45 मिनट में तय की जा सकेगी। यह सेवा भारत सरकार की 'उड़ान' स्कीम के तहत शुरू हुई है। इस स्कीम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी जिनका सपना है कि हवाई चप्पल वाला भी हवाई यात्रा करे। 'उड़ान' स्कीम के तहत शुरू हुई यह विमान सेवा प्रधानमंत्री के सपने को साकार करेगी।

उन्होंने कहा कि कंपनी ने हिसार से चंडीगढ़ तक के लिए 1,755 रुपए का बहुत ही किफ़ायती किराया तय किया है। इसकी बुकिंग flyairtaxi.in पर ऑनलाइन हो सकेगी। कंपनी ने प्राइवेट बुकिंग की सुविधा भी रखी है जिसका किराया अलग होगा। हिसार से चंडीगढ़ के बीच हर रोज आवागमन की एक उड़ान निर्धारित समय पर होगी भले ही एक यात्री ने भी बुकिंग कराई हो।

नौकरियों का पोर्टल

'वन टाइम रजिस्ट्रेशन पोर्टल' परिवार पहचान पत्र से एकीकृत

सरकारी नौकरियों के लिए युवाओं को अब बार- बार आवेदन नहीं करना होगा। सरकारी विभागों में ग्रुप सी, डी तथा गैर-राजपत्रित शिक्षण पदों के लिए 'वन टाइम रजिस्ट्रेशन पोर्टल' का शुभारंभ किया गया है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा ग्रुप सी और डी के पदों के लिए कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) का प्रावधान किया गया है।

वन टाइम रजिस्ट्रेशन

- इस पोर्टल के लॉन्च होने से अब युवाओं को केवल एक बार ही पोर्टल पर आवेदन और एक बार ही शुल्क जमा करना होगा।
- सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 500 रुपए और आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 250 रुपए फीस होगी।
- 12 जनवरी से पोर्टल पर पंजीकरण से शुरू हो गया है और 31 मार्च, 2021 तक पंजीकरण किया जा सकेगा।
- जो छात्र इस साल 10वीं और 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं वे भी इस पोर्टल पर प्रोविजनल पंजीकरण कर सकते हैं।
- पोर्टल पर पंजीकरण करने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को एक अलग आईडी जारी की जाएगी, जिसके माध्यम से वह अपनी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव के अनुसार आवेदन कर सकता है।

सरकार ने निर्णय लिया है कि जो लोग पिछले पांच वर्षों से हरियाणा में रह रहे हैं, उन्हें हरियाणा के स्थायी निवासी होने का प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा, पहले यह शर्त 15 वर्ष थी। जिन लोगों के हरियाणा में रहने की अवधि पांच साल से कम है, उनके लिए अस्थायी अधिवास प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

- ग्रुप सी और ग्रुप डी के पदों के लिए अलग-अलग कॉमन पात्रता परीक्षा (सीईटी) आयोजित की जाएगी और यह तीन साल की अवधि के लिए मान्य होगी।
- ग्रुप डी के पदों के लिए चयन कॉमन पात्रता परीक्षा की मैरिट के आधार पर किया जाएगा, जिसमें सामाजिक-आर्थिक मानदंड और अनुभव के अंक भी शामिल होंगे।
- ग्रुप सी के पदों के मामले में उम्मीदवारों को सीईटी के अलावा विभागीय परीक्षा भी देनी होगी।
- सामाजिक-आर्थिक मानदंड के तहत मिलने वाली वेटेज ग्रुप-डी पदों के लिए अधिकतम दस प्रतिशत और ग्रुप-सी पदों के लिए अधिकतम पांच प्रतिशत होगी।
- वन टाइम रजिस्ट्रेशन पोर्टल परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) के साथ एकीकृत किया जाएगा और फॉर्म भरते समय उम्मीदवार के परिवार के सदस्यों का विवरण स्वतः उपलब्ध हो जाएगा।
- उम्मीदवारों को पोर्टल पर परिवार के विवरण को अपडेट करने की सुविधा भी होगी।

> प्रदेश में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हों इसके लिए राज्य सरकार ने युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार सुनिश्चित करने का भी प्रावधान किया है। जी4एस, उबर, ओला और जगुआर फाउंडेशन के साथ एमओयू के माध्यम से 79,000 युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। राजकीय सेवाओं में आवेदन की प्रक्रिया सहज व सरल हो इसलिए यह पोर्टल शुरू किया गया है।
>
> मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

- यदि किसी उम्मीदवार के पास पीपीपी नहीं है, तो वह किसी भी नजदीकी अधिकृत केंद्र पर जाकर पीपीपी बनवा सकता है।

युवाओं को रोजगार देने के प्रयास

- अब तक विभिन्न विभागों में योग्यता के आधार पर 80,000 नौकरियां प्रदान की गई हैं।
- सरकार ने ग्रुप सी और डी पदों के लिए साक्षात्कार को भी समाप्त कर दिया है।
- राज्य सरकार ने पुलिस विभाग में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया (टीआरपी) भी लागू की है और पिछले छह वर्षों में 8000 से अधिक पुलिस कर्मियों की भर्ती की गई है।
- पुलिस विभाग में कर्मचारियों के लाभ के लिए किसी उच्च पद के लिए आवेदन करने हेतु अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की शर्त भी समाप्त कर दी गई है।
- युवाओं को रोज़गार योग्य बनाने के लिए प्रदेश में श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। इससे अब तक 12,000 छात्रों का कौशल विकास किया गया है।
- 50 उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इसके तहत छात्रों को न केवल प्रशिक्षण दिया जाता है, बल्कि उन्हीं उद्योगों में रोजगार भी दिया जाता है।
- छह वर्षों में राज्य में 577 रोजग़ार मेले आयोजित किए गए जिनमें 60,800 युवाओं को रोज़गार मिला।
- राज्य सरकार ने विदेश में नौकरी के अवसर प्रदान करने के लिए अलग से विदेश सहयोग विभाग स्थापित किया है।
- छात्रों को पासपोर्ट प्रदान करने की राज्य सरकार की योजना के तहत 6,800 छात्रों को मुफ्त में पासपोर्ट दिए गए हैं।
- बेरोजगार युवाओं को 100 घंटे काम देने के उद्देश्य से लागू की गई सक्षम युवा योजना के तहत अब तक लगभग 1.20 लाख युवाओं को लाभान्वित किया गया है।
- इस योजना के तहत युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर प्रति माह 9,000 रुपए और 6,000 रुपए मानदेय मिलता है।

करनाल से यमुनानगर रेल लाईन परियोजना के निर्माण को रेल मंत्रालय ने सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। साथ ही, कैथल में 4 किलोमीटर लंबी एलीवेटीड रेलवे लाइन निर्माण की भी रेल मंत्रालय द्वारा सहमति दी गई है।

बिजली वितरण निगमों द्वारा मिस्ड कॉल अलर्ट सर्विस शुरू की गई है। उपभोक्ता अपने रजिस्टर्ड मोबाइल से मिस्ड कॉल करने पर मैसेज के माध्यम से एक लिंक प्राप्त करेगा जिस पर क्लिक करके बिजली बिल डाउनलोड व भुगतान किया जा सकता है।

चीनी मिलों में गुड़-शक्कर

गुड़ और शक्कर की बढ़ती मांग को देखते हुए हरियाणा सरकार ने पहली बार सहकारी चीनी मिलों में इनका उत्पादन शुरू किया है। सहकारी चीनी मिल महम ने सबसे पहले गुड़ और शक्कर का उत्पादन और बिक्री शुरू कर दी है, वहीं कैथल और पलवल की सहकारी चीनी मिलों में भी उत्पादन शुरू हो गया है।

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने बताया कि इन तीनों मिलों में से प्रत्येक चीनी मिल प्रतिदिन में 100 से 150 क्विंटल गुड़ और शक्कर का उत्पादन करेंगी। सादे और मसाले वाले गुड़ को एक किलोग्राम से लेकर दस किलोग्राम तक की पैकिंग में बिक्री के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। मसाले वाले गुड़ में इलायची, सौंफ, काली मिर्च, मूंगफली और देसी नारियल जैसी सामग्री शामिल होगी।

पायलट आधार पर शुरू किए गए इस प्रोजेक्ट से सहकारी चीनी मिलों के घाटे कम होंगे और वह लाभ अर्जित करेंगी। साथ ही, राज्य के लोगों को चीनी की जगह अच्छी गुणवत्ता वाले प्राकृतिक विकल्पों की उपलब्धता होने से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यदि इस परियोजना को अच्छी प्रतिक्रिया मिली तो अन्य सहकारी चीनी मिलों में भी गुड़ उत्पादन शुरू किया जाएगा।

सहकारी चीनी मिल, महम के प्रबंध निदेशक जगदीप सिंह ने कहा कि मिल के फैक्ट्री आउटलेट पर ट्रायल के आधार पर सादे गुड़ और शक्कर की बिक्री शुरू की थी। विभिन्न मसालों और विभिन्न प्रकार की पैकेजिंग के साथ के उत्पाद जल्द ही पेश किए जाएंगे।

बागवानी में केंचुआ खाद

कार्बनिक खादों के उपयोग से मृदा की उर्वरा शक्ति बरकरार रखने के साथ-साथ रसायनिक खाद से होने वाले नुकसान से भी बचा जा सकता है। जैविक खेती की दृष्टि से केंचुआ खाद लाभदायक साबित हुई है।

केंचुआ खाद प्राकृतिक और सस्ती होती है और इससे पौधों को पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं। केंचुआ खाद से मिट्टी में लाभदायक सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है। जो उत्पादों की गुणवत्ता और स्वाद भी बढ़ाता हैं। केंचुआ खाद में घर के आस-पास कूड़ा कचरा,जानवरों के मल-मूत्र और पौधों के अवशेष का प्रयोग होता हैं, जिससे वातावरण भी साफ सुथरा रहता हैं।

केंचुआ खाद बनने की विधि

केंचुआ खाद यूनिट ऊंचे, छायादार स्थान पर जमीन की सतह के ऊपर मिट्टी डालकर बेड बनाते हैं। जिससे सूर्य की किरणें, गर्मी व बरसात से बचा जा सके। इसमें गोबर 30 प्रतिशत, मिट्टी 10 और अवशेष पदार्थ 60 प्रतिशत। बेड में सबसे नीचे एक-दो इंच मोटी खेत की मिट्टी की परत बिछाते हैं इसके ऊपर तीन-चार इंच गोबर की परत, पत्ते, बची हुई साग-सब्जियां बिछाएं, इसके बाद आठ-दस इंच फसल अवशेष व उसके ऊपर दो इंच गोबर की परत बिछाएं। हर एक परत के बाद पानी जरूर डालें। इसके बाद 500 केंचुए प्रति वर्ग मीटर या 250 केंचुए के प्रति 100 किलोग्राम सामग्री के हिसाब से छोड़ने चाहिए। बेड के ऊपर ताजा गोबर का प्रयोग नहीं करना चाहिए। ताजा गोबर का तापमान अधिक होने के कारण केंचुए मर जाते हैं। केंचुए नम व अंधेरी जगह में रहना पसंद करते हैं। इसलिए जब कंपोस्ट की ऊपरी सतह सूखती हैं तो केंचुए नीचे की नम सतह पर चले जाते हैं। बेड में नमी बनाए रखने के लिए गर्मी में दो से तीन बार, सर्दी में प्रतिदिन एक बार व बारिश के मौसम में आवश्यकतानुसार पानी का छिड़काव करना चाहिए और बेड को बोरी, पत्तों से ढककर रखना पड़ता है केंचुए ऊपर की सतह से खाते हुए नीचे की तरफ जाते हुए खाद में परिवर्तित करते हैं। केंचुआ खाद 60 से 70 दिन में बनकर तैयार हो जाती है।

केंचुआ खाद का उपयोग

केंचुआ खाद गेहूं, चावल जैसी फसलों में 5-6 टन प्रति हेक्टेयर की दर से और सब्जी वाली फसलों में 3 से 5 टन प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करना चाहिए। बगीचों में 20 किलोग्राम प्रति पौधे के हिसाब डाल सकते हैं। गमलों में 100 ग्राम प्रति गमले व भूमि की दशा सुधारने के लिए 1.5 से 2 इंच मोटी परत फैलाकर और मिट्टी के मिलाने के बाद बागों में पौधों को लगाना चाहिए।

लैमन ग्रास की खेती

किसानों का औषधीय खेती की तरफ रुझान बढ़ रहा है। झज्जर, हिसार, सिरसा, पलवल, अंबाला व गुड़गांव में काफी किसान लैमन ग्रास की खेती कर रहे हैं। लैमन ग्रास की खेती को सरकार भी बढ़ावा दे रही है। अंबाला के गांव छोटी कोहड़ी के प्रगतिशील किसान वीपी सिंह 12 वर्ष से लैमन ग्रास की खेती कर रहे हैं। वर्तमान में उन्होंने अपने फार्म पर 15 एकड़ में लैमन ग्रास लगाई है। वे इस खेती से खासा लाभ ले रहे हैं।

वे बताते हैं, लैमन ग्रास की कटाई साल में 3 बार कर सकते हैं। अच्छी पैदावार लेने के लिए 15-20 दिन में एक बार पानी लगाना जरूरी है। वे लैमन ग्रास को मेड़ पर लगाना फायदेमंद समझते हैं। उनके अनुसार लैमन ग्रास को लाइन से लाइन 2 फुट की दूरी और पौधों से पौधा 1 फुट की दूरी रखना जरूरी होता है। इस से पौधों में बढोतरी सही मात्रा में होती है। एक बार लैमन ग्रास को लगाने के बाद 5 वर्ष तक कटिंग कर सकते है।

अच्छी पैदावार के लिए मिट्टी की गुड़ाई जितपी जरूरी है, गोबर की खाद भी उतनी ही फायदेमंद है। एक एकड़ में पौधे लगाते हैं तो 10 हजार से 15 हजार पौधे लगाये जा सकते हैं। इसकी खेती के लिए फरवरी-मार्च में पौधारोपण कर सकते हैं। बाजार में इसकी खासी मांग है।

इसका उपयोग मेडिसन, कॉस्मेटिक और डिटरजेंट में किया जाता है। इसकी खेती में न खाद की जरूरत होती है और न ही जंगली जानवर इसे नष्ट कर सकते हैं। लगाने के पश्चात 3 से 5 महीने बाद पहली कटाई की जाती है। अगर सूंघने पर नींबू जैसी तेज खुशबू आती है तो माना जाता है कि यह तैयार हो चुकी है। इस पौधे की कटाई जमीन से करीब 5 से 8 इंच ऊपर करनी चाहिए।

वीपी सिंह बताते है इस खेती से वे एक साल में लगभग एक लाख से 1.50 लाख रुपए कमाई कर लेते हैं। वे कहते हैं किसानों को परंपरागत खेती की बजाय औषधीय खेती में रूचि लेनी चाहिये। लैमन ग्रास से निकलने वाले तेल की कीमत बाजार में 1500 रुपए प्रति लीटर है जो घटती बढ़ती रहती है।

-सुरेंद्र सिंह मलिक

आर्गेनिक खेती से लाखों की आमदनी

किसानों का रुझान आर्गेनिक खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। झज्जर के गांव दुबलधन के किसान राजेश कौशिक अपने खेतों में आर्गेनिक सब्जी उगा रहे हैं।

राजेश एडवोकेट हैं। उन्होंने बताया कि चार साल पहले कृषि विशेषज्ञों ने जमीन को बंजर बता दिया था। वजह बनी अधिक मात्रा में रासायनिक खादों का प्रयोग। कारणवश मिट्टी की उर्वरा क्षमता घटती गई। अब उन्होंने यहां पर आर्गेनिक फार्मिंग की शुरुआत की है, जो रंग निकली है। उपभोक्ताओं की मांग पर सब्जी बिकने लगी है।

राजेश ने बताया कि तीन साल पहले आर्गेनिक फार्मिंग पर काम किया था। चार एकड़ में 100 ट्राली के लगभग गोबर खाद डलवाया। पहले साल उत्पादन कम हुआ लेकिन सब्जी की गुणवत्ता ने उपभोक्ताओं को जोड़ा। इस बार 2 एकड़ में आलू की बुआई की और दो एकड़ में अन्य सब्जी लगाई। फरवरी में 50 क्विंटल आलू की एडवांस बुकिंग हो गई। हर सीजन में 30 से 40 रुपए प्रति किलो भाव मिल रहा है। दिल्ली और चंडीगढ़ से काफी लोग उनके आर्गेनिक फार्म से डायरेक्ट आलू की खरीद करते है।

कैसे बनती है आर्गेनिक खाद

खेतों में गाय के गोबर से बनी खाद डालना सबसे अच्छा है। राजेश ने अपने फार्म पर दो गाय रखी है। उन्होंने बताया कि खेती में गाय के गोबर से बनी खाद जीवा अमृत और घन जीव अमृत डालते हैं। खाद बनाने की विधि सरल है। 15 किलो गाय का गोबर, इतना ही गो मूत्र, दो किलो गुड़, एक किलो आटा और एक किलो बरगद और पीपल के पेड़ की मिट्टी मिलाकर 15 से 20 दिन के लिए चार ड्रम में रखी जाती है। खाद को बाल्टी से खेत में डाल सकते हैं। फसल में अन्य कोई बीमारी न आए, इसके लिए गो मूत्र का स्प्रे समय समय पर छिड़काव किया गया।

हरियाणा सरकार ने 'मेरी फसल मेरा ब्यौरा' पोर्टल पर रबी फसलों के पंजीकरण के लिए 'परिवार पहचान-पत्र' का होना अनिवार्य किया है। यह पंजीकरण कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी करवा सकते हैं।

बल्लभगढ़ शहर में सड़क के किनारे हरे भरे पेड़, आरएमसी सड़कों के ऊपर दूधिया रोशनी, कैमरे, कॉलोनियों में सीवर और मीठा पानी देकर विकास कार्यों को पूरा किया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र की कुछ खास योजनाएं

- गेहूं व धान के अलावा बाजरा, कपास, मक्का, मूंगफली, मूंग आदि की भी एमएसपी पर खरीद की जा रही है।
- 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' की तर्ज पर प्राकृतिक आपदाओं के कारण बागवानी फसलों के नुक्सान की भरपाई करने के लिए 'मुख्यमंत्री बागवानी बीमा योजना' लागू की गई है।
- 'किसान क्रेडिट कार्ड योजना' की तर्ज पर 'पशुधन क्रेडिट कार्ड' योजना शुरू की गई है।
- पशुपालकों को बीमा कवर प्रदान करने के लिए 'पशुधन बीमा योजना' की भी शुरुआत की गई है।
- राज्य सरकार ने सभी फसलों की खरीद को सुगम बनाने के लिए 'मेरी फसल-मेरा ब्यौरा' पोर्टल शुरू किया है।
- फसलों के लिए खाद, बीज, ऋण और कृषि उपकरणों के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता भी घर बैठे मिल सकेगी।
- धान के स्थान पर कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा देने के लिए 'मेरा पानी-मेरी विरासत' योजना को लागू किया गया है।
- राज्य में ग्रामीण क्षेत्र के हर घर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर को नल से जल' योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 28 लाख पानी के कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है।
- सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लेने के लिए परिवार पहचान पत्र बनाए जा रहे हैं।
- जमीन की रजिस्ट्री प्रक्रिया को ऑनलाइन करके भ्रष्टाचार पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास।

हिसार कृषि विश्वविद्यालय की बायो फर्टिलाइजर लैब में जैविक खाद पर कार्य हो रहा है। सेवानिवृत अधिकारी प्रो हेमराज शर्मा इसमें विशेष योगदान दे रहे है वह भी बिना किसी पारिश्रमिक के।

डॉ शर्मा का कहना है कि मनुष्यों व पशुओं में बढ़ती बीमारियां अनाजों व सब्जियों में उन रसायनिक खादों के प्रवेश से हुई हैं जो फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर उपयोग किए जा रहे है। उन्होंने बताया कि यहां पर ऐसे जैविक खादों पर काम हो रहा है जिनमें कोई रसायनिक पदार्थ न हो और फसलों की पैदावार भी बेहतर दें।

जैविक खाद का उपयोग करने वाले समैण गांव के किसान राजेश कुमार कहते है कि उन्होंने धान की फसल के लिए बायो खाद का उपयोग किया था और इसके अच्छे परिणाम मिले। काजलहेड़ी गांव के तुलसीराम ने 200 मिलीलीटर जैविक खाद 80 रुपए में लैब से खरीदी और सरसों की बढ़िया फसल ली।

बायो फर्टिलाइजर लैब में लगभग 15 वैज्ञानिक व कर्मचारी इस विश्वास के साथ विभिन्न फसलों के लिए उपयुक्त जैविक खाद के उत्पादन में लगे हैं कि ये खाद एक दिन न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व में खेती का स्वरूप बदलेगी।

डॉ सतीश कुमार बताते हैं कि लैब में प्रतिदिन 1200 लीटर जैविक खाद बनाने की क्षमता है पर यह उत्पादन मांग के अनुरूप ही किया जाता है। प्रो हेमराज शर्मा का कहना है कि जो काम उन्होंने 1970 में शुरू किया था, वह आज परिणाम दे रहा है। बस इसके प्रचार प्रसार की जरूरत है।

अजीत सिंह, सेवानिवृत्त निदेशक दूरदर्शन

वीटा बूथ पर मिलेगा हल्दी दूध व बाजरे के बिस्कुट

पौष्टिक एवं गुणवत्तापरक खाद्य उत्पाद उपलब्ध करवाने के दृष्टिकोण से पैप्सीको व आईटीसी तथा एचपीएमसी व मार्कफेड के मध्य योजनागत सहमति हुई है। योजना के तहत अतुल्य बीमास्टर और एकता हनी के उत्पादों को वीटा बूथों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

इनके अलावा हरियाणा डेयरी विकास सहकारी प्रसंघ लि. द्वारा निर्मित हल्दी दूध, हैफेड द्वारा निर्मित बाजरा व ज्वार के बिस्कुट, नमकीन, मट्ठी आदि भी बूथों पर उपलब्ध होंगे।

सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने एचडीडीसीएफ द्वारा तैयार किए गए हल्दी दूध का शुभारंभ और वीटा फ्रैंचाइजी पॉलिसी की लांचिंग की है। इस मौके पर सहकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजीव कौशल, एचडीडीसीएफ के प्रबंध निदेशक ए. श्रीनिवास, हैफेड के प्रबंध निदेशक डी.के. बेहरा भी उपस्थित रहे।

प्रसंघ ने अपने नए उत्पाद ''हल्दी मिल्क विद ब्लैक पैपर स्वीट फ्लेवर मिल्क'' की शुरूआत की है। वर्तमान कोविड संकट में बाजार प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए उत्पादों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है और यह उत्पाद वीटा को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देगा। बाजार में इसी तरह के कई उत्पाद उपलब्ध हैं, लेकिन प्रसंघ द्वारा तैयार हल्दी दूध न केवल हल्दी से समृद्ध है बल्कि काली मिर्च के साथ भी फोर्टिफाइड किया जाता है।

एजेंसी ये उत्पाद उपलब्ध कराएंगी

प्रसंघ ने एफएमसीजी प्रमुख जैसे कि वरुण बेवरेजिस (पैप्सीको) व आईटीसी, स्टेट फेडरेशन में एचपीएमसी व मार्कफेड और हरियाणा एफपीओ जैसे कि अतुल्य बीमास्टर और एकता हनी के उत्पादों को वीटा बूथों पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाएगा।

ऐसी ही 6 एजेंसियों के साथ समझौता किया गया है जिसके अंतर्गत मार्कफेड एजेंसी द्वारा तैयार साग, दाल मखनी, दाल तड़का, चटपट चना, काला चना, अमृतसर छोले, मटर पनीर, राजमाह, पालक पनीर, कढ़ी पकोड़ा, चटपटा चना उपलब्ध करवाया जाएगा।

वहीं, एचपीएमसी एजेंसी द्वारा तैयार एपल नैचुरल जूस, एपल सीडर विनेगर, एपल जूस कंसनट्रेट वीटा बूथों पर उपभोक्ताओं के लिए मुहैया होगा।

वरुण बेवरेज लिमिटेड एजेंसी द्वारा तैयार कोल्ड ड्रिंक्स जैसे कि पैप्सी, माउंटेन ड्यू, स्लाइस, निंबुज उपलब्ध होंगे।

आईटीसी एजेंसी द्वारा तैयार पोहा, उपमा, सूजी हलवा, बिस्कुट, कैंडीमैन, बिंगो स्नैक्स उपभोक्ताओं को मुहैया करवाए जाएंगे।

एफपीओ- एकता हनी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लि. फतेहाबाद द्वारा तैयार हनी-मल्टी फ्लोरा एंड यूकेलिप्टस हनी उपलब्ध होंगे।

जबकि, एफपीओ-अतुल्य बीमास्टर हनी द्वारा तैयार हनी-मल्टी फ्लोरा उपभोक्ताओं को वीटा के बूथों पर उपलब्ध करवाया जाएगा।

बाजरा व ज्वार बिस्कुट, नमकीन व मट्ठी

हैफेड ने पहली बार बाजरा और ज्वार से बने बिस्कुट और नमकीन जैसे उपभोक्ता उत्पादों की एक नई रेंज लॉन्च करके स्वस्थ खाद्य पदार्थों के बढ़ते क्षेत्र में प्रवेश किया है। नए लॉन्च किए गए बाजरा व ज्वार आधारित खाद्य उत्पादों में बाजरा जीरा बिस्कुट, ज्वार तिल बिस्कुट, चना फलैक्स सीड बिस्कुट, रोस्टेड बाजरा नमकीन, रोस्टेड ज्वार नमकीन, मिक्स ग्रेन नमकीन और बाजरा मटठी जैसे कुल सात उत्पाद शामिल हैं। इसके अलावा, हैफेड ने अपने ब्रांड नाम के तहत 'पोहा' को भी बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया है।

हैफेड ने हाल ही में हरियाणा के उपभोक्ताओं को अपने रिटेल आउटलेट्स के साथ-साथ मौजूदा नेटवर्क उत्पादों की व्यापक रेंज उपलब्ध करवाने के लिए कई पहलें की है जिसके तहत गुड़, गेहूं का चोकर, शहद, हल्दी शामिल हैं।

हैफेड के प्रबंध निदेशक डी. के. बेहरा ने बताया कि हैफेड ने ह्यूमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा उत्पादित बाजरा/ज्वार आधारित उपभोक्ता उत्पादों की बिक्री के लिए विपणन सहायता प्रदान करने के लिए ह्यूमन सेल्फ हेल्प ग्रुप, गुरुग्राम के साथ समझौता किया हैं। उन्होंने बताया कि हैफेड के मौजूदा उपभोक्ता उत्पाद यानी सुपीरियर बासमती चावल, प्रीमियम गोल्ड बासमती चावल, साबुत गेहूं का चक्की आटा, कच्ची घानी सरसों का तेल, रिफाइंड सोयाबीन तेल, हैफेड चीनी, साबुत गेहूं दलिया, गुड़, गेहूं का चोकर उपभोक्ताओं में बहुत लोकप्रिय है। जल्द ही, हैफेड अपने ब्रांड नाम के तहत दालों की 10 किस्मों को लॉन्च करेगा। हैफेड राज्य में सभी जिला मुख्यालय (कस्बों/शहरों) में 'हैफेड बाजार'' बिक्री आउटलेट के रूप में बड़े आउटलेट खोलने की तैयारी कर रहा है।

फ्रैंचाइजी पॉलिसी

एचडीडीसीएफ के प्रबंध निदेशक ए. श्रीनिवास ने बताया कि फ्रैंचाइजी नीति शुरू करने का मुख्य उद्देश्य खुदरा नेटवर्क का विस्तार करना और समग्र राजस्व और वीटा मिल्क उत्पादों की बिक्री को बढ़ाना है। अब तक, हरियाणा में कुल 515 मौजूदा खुदरा स्टोर हैं। इस नीति के लॉन्च के साथ एनसीआर और छाड सिटी क्षेत्र (चंडीगढ़, पंचकूला, मोहाली और जीरकपुर) में बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसी प्रकार, न्यूनतम 100 वर्ग मीटर के दुकान क्षेत्र के पात्रता मानदंडों के साथ आवेदन आमंत्रित किया जाएंगे। आवेदक द्वारा प्रसंघ को सुरक्षा राशि के रूप में 5,000 रुपए (रिफण्डेबल सिक्योरिटी) जमा करवाने होंगे और आवेदक को बूथ आवंटन समिति द्वारा आवंटित जाएगा। फ्रैंचाइजी को किसी भी रॉयल्टी का भुगतान करने या वीटा के साथ कोई राजस्व सांझा करने की आवश्यकता नहीं है। तीन साल की अवधि के लिए मिल्क यूनियन के संबंधित सीईओ और आवेदक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। प्रसंघ ने इस नीति के तहत खुदरा दुकानों को 1,000 तक बढ़ाने की योजना बनाई है।

संवाद ब्यूरो

स्कूलों व अस्पतालों में ऊर्जा संरक्षण

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव टी.सी. गुप्ता ने बताया कि हरियाणा का नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा विभाग राज्य में ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा दे रहा है। 2019-20 के दौरान, विभिन्न ऊर्जा संरक्षण उपायों से राज्य में 94 मेगावाट से अधिक बिजली की बचत हुई। ऊर्जा संरक्षण गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने और ऊर्जा संरक्षण के तहत विभिन्न गतिविधियों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा 2019-20 के दौरान निरीक्षण अधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

नौ जिलों ने सभी सरकारी भवनों में पारंपरिक लाइटों के स्थान पर 100 प्रतिशत एलईडी लाइटें लगा दी हैं। राज्य में 50,000 सौर ऊर्जा संचालित पम्प स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके तहत चालू वर्ष के दौरान, 75 प्रतिशत सरकारी सब्सिडी वाले 15,000 सौर पंप स्थापित किए जा रहे हैं।

डॉ. हनीफ कुरैशी ने बताया कि विभाग ने 330 से अधिक स्कूलों में ऊर्जा-बचत के उपायों को लागू किया है, जिनमें से 220 स्कूलों को 2019-20 में कवर किया गया था। राज्य के सभी जिला नागरिक अस्पतालों में भी ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू किया गया है। जेलों और नगरपालिका क्षेत्र में भी विभिन्न अन्य परियोजनाओं को 2019-20 के दौरान लागू किया गया।

हरियाणा के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकारी राज्य नामित एजेंसी श्रेणी में भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय से 30 वें राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2020 में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया है।

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष कोविड महामारी के बावजूद राज्य के सरकारी एवं सरकारी सहायता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थानों में दाखिलों में 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

कोविड लॉकडाउन अवधि के दौरान पुलिस और नागरिक प्रशासन द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियानों की मदद से 4.32 लाख से अधिक प्रवासी मजदूरों एवं श्रमिकों को उनके घर लौटाया।

'मेघ मेखला' व 'रेशमी रस्सियां' का लोकार्पण

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और प्रसिद्ध कवयित्री श्रीमती धीरा खंडेलवाल द्वारा रचित दो नए कविता संग्रहों 'मेघ मेखला' तथा 'रेशमी रस्सियां' का लोकार्पण किया। कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा किया गया।

महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 125वीं जयंती के अवसर पर मनोहरलाल ने कहा कि आज के दिन श्रीमती धीरा खंडेलवाल के कविता संग्रहों का लोकार्पण एक विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस वर्ष से नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है।

कविता संग्रहों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कम से कम शब्दों में अधिक से अधिक भावों को समेटने की कला धीरा खंडेलवाल से सीखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि मर्मस्पर्शी भाषा शैली में लिखी सभी कविताएं रुचिकर और प्रेरणादायक हैं। कल्पना को सीमित शब्दों में कलमबद्ध करना वास्तव में एक सराहनीय कार्य है।

उन्होंने कहा कि धीरा खंडेलवाल न केवल सक्षम और कुशल अधिकारी हैं, बल्कि एक संवेदनशील साहित्यकार भी हैं। वे जिन्दगी के अथाह विशाल भण्डार से विषय चुनने में माहिर हैं और इन विषयों को बड़ी सरल जबान, दिलचस्प बयान तथा स्वाभाविक अंदाज में बड़ी सफलता के साथ अन्तिम चरण तक ले जाती हैं। इससे पहले उनके चार कविता-संग्रह- 'मुखर मौन', 'सांझ सकारे', 'ख्यालों के खलिहान', 'अंतर आकाश' और दो हाइकु संग्रह 'तारों की तरफ' व 'मन-मुकुर' प्रकाशित हो चुके हैं।

मुख्य सचिव विजय वर्धन ने कहा कि धीरा खंडेलवाल की कविताएं हमेशा आशा की एक किरण दिखाती हैं और उनके लेखन में हमेशा आशावाद की भावना रहती है।

सीएम ने एक कविता के भाव कागज पर उतारे और सुना डाले:

मैं व्यस्त हूं

सुबह-सुबह उठ चाय के प्याले पर,
मेज पर देखता हूं बहुत से अखबार
सुर्खियां घूर लेता हूं, पढ़ पाता नहीं,
क्योंकि मैं व्यस्त हूं
डाकिया डाक लाता,
प्रेषक कौन है,
देख लेता हूं
किसी पत्र पर रंग है तो किसी का
कोना फटा है
अनुमान लग जाता है किस भाव का
पत्र होगा
अंबार लगा है पत्रों का, परन्तु
उत्तर दे पाता नहीं,
क्योंकि मैं व्यस्त हूं
परन्तु कभी थोड़ा समय पा, देख लूं
अपने आपको आइने में
तब सच आता सामने कि नहीं,
मैं व्यस्त नहीं हूं
मैं तो अस्त-व्यस्त हूं।

वह हमेशा कुछ शब्दों में अधिक से अधिक अभिव्यक्ति व्यक्त करने की कोशिश करती हैं।

मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव डी.एस. ढेसी ने कहा कि धीरा खंडेलवाल के पास एक बड़ा प्रशासनिक अनुभव है और समय के साथ-साथ उनके साहित्यिक कौशल में काफी सुधार हुआ है। अपने लेखन के माध्यम से, वह जीवन के दर्शन को सरल और सटीक तरीके से प्रस्तुत करती हैं।

धीरा खंडेलवाल ने कहा कि वह सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें बचपन से ही साहित्य लेखन का माहौल मिला। उन्होंने कहा कि उनका नया संग्रह 'मेघ मेखला' शक्ति का प्रतीक है और 'रेशमी रस्सियां' सुखद बंधन का प्रतीक है।

संवाद ब्यूरो

जीवन की तमाम संगतियों-विसंगतियों के बीच संतुलन साधकर अपने और दूसरों के लिए कुछ ख्वाब बुनने की चाहत लेकर अपनी रचना 'रेशमी रस्सियां' के माध्यम से जीवन के सुनहरे पहलों को ढूंढने निकली है धीरा खंडेलवाल। यत्र-तत्र-सर्वत्र बिखरी पड़ी प्रकृति के नाना रंग-रूपों, आकार-प्रकारों और स्थूल-सूक्ष्म अंग-प्रत्यंगों से प्रेरित-प्रभावित होकर कवयित्री ने अपने 69 मुक्त छंदी कविताओं के समुच्चय द्वारा एक सम्पूर्ण मानव-जीवन के ज्ञात-अज्ञात पहलुओं और गहनतम रहस्यों को उद्घाटित करने का सार्थक प्रयास किया है।

-प्रो. लालचंद गुप्त 'मंगल'
पूर्व अधिष्ठाता,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग

धीरा खंडेलवाल उच्च प्रशासनिक अधिकारी होने के साथ-साथ एक संवेदनशील रचनाकार के रूप में अपनी पुख्ता पहचान स्थापित कर चुकी हैं। लगभग एक दर्जन से अधिक काव्य-संग्रह उनकी प्रतिभा एवं साहित्यिक मूल्यों के प्रति उनके समर्पण तथा प्रतिबद्धता के जीवन्त प्रमाण हैं। समकालीन महिला-लेखन के मुहावरे से बिलकुल अलग ये कविताएं भारतीय जीवन-पद्धति की रागात्मकता एवं उत्सवधर्मिता का अनुपम उदाहरण है। इन कविताओं में सामान्य-जन के सपने, उसकी आशा-निराशा, उसके जीवन की संघर्षशीलता अत्यन्त सूक्ष्मता तथा कलात्मकता के साथ अभिव्यक्ति हुई है। रचनाकार की यह विशिष्ट जीवन-दृष्टि ही उसे तथा उसकी रचनाधर्मिता की भीड़ से अलग करने के समर्थ रही है।

-माधव कौशिक
उपाध्यक्ष,
केंद्रीय साहित्य अकादमी

हमारे समय की महत्त्वपूर्ण कवयित्री धीरा खंडेलवाल की रचनाओं पर बात करते समय अज्ञेय की ये पंक्ति 'मौन भी अभिव्यंजना है, जितना तुम्हारा सच है उतना ही कहो', न जाने क्यों मन में कौंध जाती है। क्या इसलिए कि उन्होंने अज्ञेय के इस मंत्र को बहुत सलीके से अपनी कविताओं में आत्मसात किया है तभी तो वे 'मुखर मौन' जैसी काव्य कृति दे सकी हैं। उनका नया संग्रह 'मेघ मेखला' शक्ति का प्रतीक है और 'रेशमी रस्सियां' सुखद बंधन का प्रतीक है।

-डा. गुरमीत सिंह, प्रोफेसर
हिंदी विभाग पंजाब विश्वविद्यालय

बदलते परिवेश में हम सृजन की प्रक्रिया के कोमल स्पंदन लगभग भूल चले थे। अब धीरा खंडेलवाल की कविता यात्रा से गुजरते हुए लगता है कि स्पंदन पुनः जीवित हो गए हैं।

'लोग बादलों की
झील बनाकर
नहा लेते हैं तैर कर
सज लेते हैं
सपनों के महल'
और या फिर यह पंक्ति,
चांद क्या है
चेहरा है

'मैं गत लगभग तीन दशक से उनकी कविता यात्रा का साक्षी रहा हूं। उन्होंने जिस शालीनता से अब तक का जीवन बिताया, उसी शालीनता के साथ संवेदनाओं का इकेबाना सजा डाला।'

गीत जब गुनगुनाते हैं
कलम की सारंगी पकड़
धीरे से उतर आते हैं
तैरते धवल पन्नों पर
चेहरे पर जुल्फ से
संवर जाते हैं।

डा. चंद्र त्रिखा, निदेशक
हरियाणा साहित्य अकादमी

नई प्रतिभाओं के लिए पुरस्कार

श्री मनोहरलाल ने कहा कि हरियाणा का साहित्य एवं लोक संस्कृति काफी समृद्ध है। हरियाणा में कला और साहित्य-सृजन के लिए बड़ा अच्छा माहौल है। हरियाणा सरकार कला, साहित्य व संस्कृति के संरक्षण एवं विकास के लिए हरसंभव कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के युवा साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के लिए 'युवा साहित्य पुरस्कार' शुरू करने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार साहित्य के क्षेत्र में नई प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ाएगा। राज्य में साहित्य के प्रचार के लिए प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों का उल्लेख करते हुए श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश में हिन्दी एवं हरियाणवी, उर्दू, संस्कृत और पंजाबी साहित्य के विकास के लिए अलग-अलग अकादमियां स्थापित की गई हैं। इन अकादमियों के बजट में भी कई गुणा बढ़ोतरी की गई है।

साहित्यकार में चिंतन धारा को बदलने की ताकत : मनोहरलाल

मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने कहा कि साहित्यकार आम लोगों के दुख-दर्द के प्रति अत्यंत संवेदनशील होते हैं। उच्चकोटि का साहित्य चाहे वह किसी भी भाषा में रचा गया हो, राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होता है। साहित्यकार की कलम जो रास्ता समाज को दिखा सकती है, वह शायद कोई और नहीं दिखा सकता। इसमें लोगों की चिंतन धारा को बदलने की ताकत होती है। उन्होंने कहा जब एक अधिकारी कवि या साहित्यकार भी होता है, तो वह आम जनता के दुख-दर्द को ज्यादा अच्छी तरह से जान-समझ सकता है और उसे दूर करने का प्रयास भी करता है। साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए उन्होंने कहा कि साहित्यकार अपनी रचनाओं द्वारा समाज की स्थिति को प्रतिबिम्बित करने के लिए सजग प्रहरी के रूप में भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि आज भी साहित्यकार देश में व्याप्त ज्वलन्त समस्याओं के प्रति हमारे समाज व प्रशासन को सजग करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमती धीरा खंडेलवाल की इतनी अधिक रचनाओं के बारे में जानकर आश्चर्य भी होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे प्रशासनिक जीवन की व्यस्तताओं से खूब परिचित हैं। महिला होने के नाते श्रीमती धीरा खण्डेलवाल को अपने घर को संभालने की बड़ी जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है। इतने सारे कामों के बावजूद इन्होंने साहित्य-सृजन के लिये समय निकाला। यह हम सबके लिये प्रेरणा की बात है।

कोविड वैक्सीनेशन

टीकाकरण कार्यक्रम के सुचारू, प्रभावी और लक्ष्य आधारित कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, लाभार्थियों को डिजिटल प्लेटफॉर्म (कोविन सॉफ्टवेयर) में नामांकित किया गया है। हेल्थ केयर वर्कर्स और स्वास्थ्य सुविधाओं को कोविन पोर्टल पर पंजीकृत किया गया है। इसमें लगभग दो लाख स्वास्थ्य कर्मी, 5,044 वैक्सीनेटर, 765 जनस्वास्थ्य सुविधाएं, 3,634 निजी स्वास्थ्य सुविधाएं, 18,921 सत्र स्थल और 1,005 पर्यवेक्षक शामिल हैं। कोविड -19 वैक्सीन को स्टोर करने के लिए हरियाणा में पर्याप्त कोल्ड चेन उपलब्ध है। कुरुक्षेत्र में एक राज्य स्तरीय वैक्सीन स्टोर स्थापित किया गया है। इसके अलावा, हिसार, रोहतक, कुरुक्षेत्र और गुरुग्राम में चार क्षेत्रीय स्तर के स्टोर स्थापित किए गए हैं। साथ ही, 22 वैक्सीन स्टोर (प्रत्येक जिले में एक) भी स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, पूरे हरियाणा में 659 कोल्ड चेन प्वाइंट्स में वैक्सीन के परिवहन के लिए 22 इंसुलेटेड वैक्सीन वैन की व्यवस्था भी की गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने राज्य के नागरिकों की सहायता के लिए 1075 हेल्पलाइन भी स्थापित की है। हरियाणा में रिकवरी दर 98 प्रतिशत से अधिक है और मृत्यु दर लगभग एक प्रतिशत है जो अधिकांश राज्यों की तुलना में बहुत कम है। स्वास्थ्य विभाग के विशेष सचिव प्रभजोत सिंह ने बताया कि यह टीका गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं और 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को नहीं लगाया जाएगा। रूटीन के दिनों में होने वाले टीकाकरण, पल्स पोलियो ड्राइव, सार्वजनिक अवकाश के दिन और आवश्यक स्वास्थ्य गतिविधियों के दौरान कोविड-19 वैक्सीन लगाए जाने के अभियान का संचालन न करने के निर्देश दिए गए हैं।

हालांकि कोरोना वायरस के मामले कम हो रहे हैं और कोविड -19 वैक्सीन भी आ गई है, फिर भी लोगों को एहतियात के तौर पर मास्क पहनना, हाथ की सफाई बनाए रखना और दो गज की दूरी को बनाये रखते हुए कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सतर्क रहना होगा।

मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल

टीकाकरण के लिए तीन क्रम

पहले क्रम में हेल्थ केयर वर्कर्स, दूसरे क्रम में नगरपालिका और स्वच्छता कर्मी, राज्य और केंद्रीय पुलिस बल, नागरिक सुरक्षा, सशस्त्र बल, राजस्व कर्मियों जैसे फ्रंटलाइन वर्कर्स को टीका लगाया जाएगा। तीसरे क्रम में 50 वर्ष से ऊपर के लोगों और 50 वर्ष से कम आयु के गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को टीका लगाया जाएगा।

शिक्षण संस्थान 26 जनवरी से तंबाकू-फ्री हो जाएंगे। विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए संस्थानों के कैंपस में स्लोगन लिखे जाएंगे तथा नोडल ऑफिसर नियुक्त कर तंबाकू से सचेत करने हेतु विभिन्न कदम उठाए जाएंगे।

पुलिस अकादमी, मधुबन को वर्ष 2016-17 के लिए गैर-राजपत्रित अधिकारियों को प्रशिक्षित करने में देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस अकादमी चुने जाने का गौरव प्राप्त हुआ है।

गरीब रोगियों का 'रात का गहना'

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

संगीता शर्मा

अच्छा स्वास्थ्य अनमोल है। अच्छा खानपान, नियमित व्यायाम व सकारात्मक सोच इसके लिए बहुत जरुरी हैं। कई बार व्यक्ति न चाहते हुए भी भयानक बीमारी की चपेट में आ जाता है, जिसके उपचार में बड़ा खर्च हो जाता है। ऐसे समय में 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना' उसके लिए वरदान बनकर आती है। यह योजना गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को बीमारी में आर्थिक मदद देने के लिए चलाई जा रही है। हरियाणा सरकार गैर सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत श्रेणी में पीएमजेएवाई के लाभों का विस्तार करने जा रही है। हरियाणा में योजना के अंतर्गत 7,82,110 परिवारों को कवर किया गया है तथा 22,92,629 स्वर्ण कार्ड जारी किए गए हैं

> मरीजों की सुविधा के लिए राज्य के सभी सरकारी एवं पैनल के निजी अस्पतालों में आयुष्मान भारत योजना के कार्ड निःशुल्क बनाए जाते हैं। इसके लिए कॉमन सर्विस सेंटर पर भी मामूली शुल्क पर सुविधा उपलब्ध है।
>
> अनिल विज, स्वास्थ्य मंत्री, हरियाणा

निःशुल्क इलाज

जन आरोग्य योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को स्वास्थ्य लाभ देने के लिए भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है। 'आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य' को हरियाणा में 15 अगस्त, 2018 को लागू किया गया था। आयुष्मान भारत योजना में सभी प्रकार की बिमारियां कवर होती हैं और परिवार के सभी सदस्यों को इसका लाभ मिलता है। स्वर्ण कार्ड पैनल वाले अस्पतालों में निःशुल्क बनता है और सीएससी केंद्रों पर 30 रुपए शुल्क लेकर इसे बनाया जाता है। इसे बनवाने के लिए राशन कार्ड, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र और योजना का मूल पत्र अगर प्राप्त हुआ है तो उसे अपने साथ लेकर जाएं।

राज्य सरकार गैर सामाजिक आर्थिक एवं जातिगत श्रेणी में पीएमजेएवाई के लाभों का विस्तार करने जा रही है। इससे अब अधिक लोग इस योजना का लाभ उठा सकेंगे।

इनमें मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थी, भवन और अन्य निर्माण कार्य में लगे श्रमिक और आश्रित हैं। सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों के लिए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना का कार्यान्वयन किया जाएगा।

इलाज के साथ अन्य सुविधाएं

- अस्पताल में भर्ती होने से तीन दिन पहले की जांच आदि का खर्च।
- अस्पताल में भर्ती, इलाज और खाने पर होने वाला पूरा खर्च।
- अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद 15 दिनों तक का चैक-अप और दवाइयों पर होने वाला खर्च।

नामांकन व इलाज प्रक्रिया

योजना के तहत लाभार्थी परिवार सूचीबद्ध सरकारी व प्राइवेट अस्पताल या किसी अटल सेवा केंद्र में जाकर अपना आयुष्मान भारत स्वर्ण कार्ड बनवा सकते हैं। इस योजना के तहत जब भी परिवार का कोई सदस्य बीमार होता है तो वह सूचीबद्ध अस्पताल में जाकर मुफ्त में अपना इलाज करवा सकते हैं। हरियाणा में कुल 553 अस्पताल (395) निजी और (158) सार्वजनिक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सूचीबद्ध हैं। इनमें लाभार्थी अपनी बीमारी का मुफ्त इलाज करवा सकते हैं।

क्या करें

- आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए आधार कार्ड और राशन कार्ड अनिवार्य है। यदि किसी व्यक्ति का नहीं बना है तुरंत बनवाएं।
- आप अपने रजिस्ट्रेशन के लिए पास के अटल सेवा केंद्र या सूचीबद्ध अस्पतालों में आरोग्य मित्र से संपर्क करें।
- अपना कार्ड पहले ही बनवा लें। इमरजेंसी में आपको सिर्फ़ ईलाज की प्रक्रिया लेनी होगी।
- हेल्थ पैकेज की जानकारी व कौन-कौन सी बिमारियों के लिए सरकार निःशुल्क इलाज कराती है आदि के लिए अस्पताल में चुने हुए आरोग्य मित्र / आशा से संपर्क करें।
- इलाज न मिलने पर या कोई अन्य शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 14555/1800111565 पर संपर्क करें।
- इस योजना की पूर्ण प्रणाली को समझने तथा रजिस्ट्रेशन के लिए सरकार द्वारा समय-समय पर आयोजित स्वास्थ्य मेला में सम्मिलित हों।
- अपने जिले के आस-पास के सूचीबद्ध अस्पतालों की जानकारी पहले से रखें। अपना आरोग्य मित्र से लें, जो इन अस्पतालों में बूथ / हेल्पडेस्क से मिल जाएंगे।
- इलाज कराने से पहले अस्पताल के बोर्ड पर आयुष्मान भारत का नाम देखें और निश्चित कर लें कि यह अस्पताल आयुष्मान भारत में सूचीबद्ध है।

क्या न करें

- रजिस्ट्रेशन के लिए किसी बाहरी आदमी या एजेंसी से संपर्क ना करें। सावधान रहें व दलालों से बचें।
- यह योजना मुफ्त इलाज देती है, लाभार्थी किसी भी प्रणाली के लिए पैसे ना दें।
- यह योजना आईपीडी मरीजों के लिए है। इसमें ओपीडी मरीज सम्मिलित नहीं है। किसी भी जानकारी के लिए आरोग्य मित्र से संपर्क करें।
- नकली दस्तावेजों से बचें। किसी अन्य को राशन कार्ड या फर्जी कागजों का इस्तेमाल रजिस्ट्रेशन के लिए ना करें।
- अस्पताल में भर्ती होने से लेकर इलाज खत्म होने तक सारा खर्च इस योजना में कवर किया जाता है।
- जो अस्पताल आयुष्मान भारत में सूचीबद्ध नहीं है उनसे इलाज देने का आग्रह ना करें।
- दवाइयों का कोई खर्च नहीं देना है।
- अटल सेवा केंद्र के अलावा कहीं भी रजिस्ट्रेशन के लिए 30 रुपए न दें।

लिंगानुपात हुआ @ 922

वर्ष 2014 में प्रति 1,000 लड़कों पर 871 लड़कियों का आंकड़ा था, वर्ष 2020 में यह आंकड़ा 922 तक पहुंच गया है। 2021 के दौरान 935+ का लिंगानुपात हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

स्वास्थ्य विभाग व एफडीए विभाग ने मिलकर कन्या भ्रूण हत्या की आशंकाओं को निर्मूल करने के लिए कई कदम उठाए। लिंग-परीक्षण और अवैध गर्भपात में लिप्त केंद्रों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाही की गई। अपराधियों के खिलाफ़ एफआईआर दर्ज करना, पीएनडीटी अधिनियम के उल्लंघन के बारे में जानकारी साझा करने वालों को प्रोत्साहन दिया गया और अंतरराज्यीय छापेमारी के साथ-साथ स्टिंग ऑपरेशन किए गए।

जानकारी के मुताबिक पिछले छह वर्षों में 840 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई, जिसमें पड़ोसी राज्य यूपी, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान और उत्तराखंड की 225 एफआईआर शामिल हैं और लगभग 3,000 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

'मुखबिर प्रोत्साहन योजना' शुरू की गई जिसमें राज्य के किसी भी हिस्से में लिंग परीक्षण के बारे में जानकारी देने वाले मुखबिर को एक लाख का इनाम दिया गया, जिससे इस अपराध में शामिल अपराधियों के गिरोह का पर्दाफाश करने में मदद मिली।

> राज्य के भीतर और बाहर अवैध पीएनडीटी और एमटीपी केंद्रों के खिलाफ पीसी-पीएनडीटी / एमटीपी अधिनियम के तहत नियमित रूप से बड़े पैमाने पर छापे पड़ने के कारण यह संभव हुआ। इस कारण 100 आपराधिक मामले दर्ज हुए। दिल्ली, पंजाब, यूपी और राजस्थान में अंतरराज्यीय छापे के बाद 40 ऐसे मामले पकड़े गए।
>
> - डॉ राकेश गुप्ता, 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम के नोडल अधिकारी

जिन जिलों में दशकों तक लिंगानुपात 900 से कम था, उनमें से अधिकांश लिंगानुपात अब 920+ हो गया है, जबकि राज्य के 22 जिलों में से 20 जिलों में लिंगानुपात 900 या 900+ हैं। सिरसा जिला में लिंगानुपात 949 है। वर्ष 2020 के दौरान कुल 5,37,996 जन्म पंजीकृत किए गए, जिनमें 2,79,869 लड़कियां और 2,58,127 लड़के शामिल हैं।

वर्ष 2020 लिंगानुपात

क्रमांक	जिला	दिसंबर
1.	अंबाला	931
2.	भिवानी	920
3.	फरीदाबाद	915
4.	फतेहाबाद	938
5.	गुरुग्राम	921
6.	हिसार	922
7.	झज्जर	892
8.	जींद	904
9.	कैथल	922
10.	करनाल	900
11.	कुरुक्षेत्र	938
12.	नारनौल	902
13.	नूह	939
14.	पलवल	910
15.	पंचकूला	939
16.	पानीपत	935
17.	रेवाड़ी	921
18.	रोहतक	912
19.	सिरसा	949
20.	सोनीपत	932
21.	यमुनानगर	928
कुल	हरियाणा राज्य	922

'सब के लिए आवास' के विजन को आगे बढ़ाते हुए फरीदाबाद व गुरुग्राम शहरी क्षेत्र में स्लम बस्तियों में रहने वाले लोगों को सस्ते आवासीय फ्लैट प्रदान करने की एक व्यापक योजना तैयार करने के निर्देश हुए हैं।

शिक्षा बोर्ड, भिवानी शैक्षिक सत्र 2020-21 से कक्षा नौंवी व दसवीं के लिए 'संस्कृत पूर्व मध्यमा' भाग-1 व 2 तथा ग्यारहवीं व बाहरवीं कक्षाओं के लिए 'संस्कृत उत्तर मध्यमा' भाग-1 व 2 की परीक्षाओं का संचालन करेगा।

प्रवासी पक्षियों से गुलजार भिंडावास

मनोज प्रभाकर

झज्जर जिले की भिंडावास झील विदेशी मेहमानों से गुलजार है। साइबेरिया के ठंडे इलाकों से आए हजारों बहुरंगी पक्षियों ने यहां डेरा जमाया है। सैकड़ों प्रजातियों के इन पक्षियों का कलरव प्राकृतिक संगीत की अनुभूति कराता है जिसे सुनने व देखने के लिए अनेक पक्षी प्रेमी यहां खिंचे चले आते हैं। अद्भुत सौंदर्य वाले पक्षियों का जल सतह पर कलाबाजियां खाना, जलक्रिड़ा करना और अटखेलियां करना मनभावन होता है।

विभागीय जानकारी के मुताबिक इस बार 40 हजार से ज्यादा प्रवासी मेहमान हजारों किलोमीटर की यात्रा करके यहां पहुंचे हैं। ग्रेलेग गूज व स्मॉट बिल डक की संख्या ज्यादा है। इस बार इनके साथ पेरेग्रिन फॉल्कॉन भी हैं। इन पक्षियों की उड़ान व क्रियाकलाप सबसे तेज मानी जाती है। ये सभी विदेशी मेहमान इस क्षेत्र में अक्टूबर से फरवरी तक रहन सहन करते हैं। उसके बाद वापस अपने देशों को लौट जाते हैं। इन चार पांच माह के दौरान यहां का ठंडा मौसम इन पक्षियों के लिए अनुकूल रहता है। इस दौरान इनके अपने क्षेत्र में ज्यादा ठंड होती है। ज्यादा ठंड होने से अधिकांश जमीन पर बर्फ जम जाती है जिससे खाने का संकट हो जाता है। खाने की तलाश में ये पक्षी हरियाणा-पंजाब के कई जलीय इलाकों में चले आते हैं।

भिंडावास झील के अलावा यहां के गांव डीघल व मांडोठी की सैकड़ों एकड़ जमीन पर बने पोखर भी इन पक्षियों की मेजबानी करते हैं। सर्दियों से पहले बरसात के मौसम में यहां के दर्जनों जोहड़ तालाब पर्याप्त जलयुक्त हो जाते हैं। जहां इन्हें खाने के लिए छोटे-छोटे जलजीव मिल जाते है और आराम करने के लिए पेड़ व झाड़ियां।

सहजभावयुक्त दिखने वाले ये पक्षी संवेदनशील और तेज दिमाग के होते हैं। हर साल ये अपने उन्हीं निर्धारित स्थानों में चले आते हैं, जहां बीते वर्ष आकर रह चुके होते हैं। इतने दूर से आने के बावजूद ये भटकते नहीं हैं। यहां से जब ये अपने घर लौटते हैं, तब वहीं अंडे देते हैं।

गजब का दिशा ज्ञान

जीव जंतु संरक्षण से संबंद्ध संस्था के सदस्य सोनू दलाल ने बताया कि ये पक्षी हजारों किलोमीटर की यात्रा करके यहां तक पहुंचते हैं। इनका दिशा ज्ञान गजब का होता है। रास्ते में ये पक्षी सूर्य व तारों की मदद लेते हैं। उनकी स्थिति को ध्यान में रखते हुए ये आगे बढ़ते रहते हैं। राह में नदी, पर्वत व झीलों की लोकेशन की भी मदद लेते हैं। अपने देशों में बर्फ जमने से पूर्व ये पर्याप्त वसा अपने शरीर में जमा कर लेते हैं और फिर उड़ान भरते हैं।

यह वसा इनकी मुख्य ऊर्जा है, जिसे एकत्र कर लेने के बाद यात्रा प्रारंभ होती है। परिपूर्ण होकर यात्रा शुरू करते हैं तो इन्हें रास्ते में कहीं भोजन की जरुरत नहीं पड़ती। ऐसा ही ये परिंदे तब करते हैं जब यहां से स्वदेश की ओर यात्रा भरते हैं। शरीर में पर्याप्त वसा एकत्र करके चलते है। प्रवास के दौरान ये पक्षी उत्तर से दक्षिण की ओर उड़ान भरते हैं। ये पक्षी अक्सर आसमान में अंग्रेजी के अक्षर 'वी' आकार की आकृति बनाकर चलते हैं। इस तकनीक से इनकी ऊर्जा में बचत होती है।

300 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार

विदेशी धरा से यहां पहुंचने वाले पक्षियों की खास विशेषता इनके उड़ने की क्षमता होती है। कुछ पक्षी तेज उड़ान भरते हैं, तो कुछ बिना रुके लगातार लंबी उड़ान भर सकते हैं। ये दो अलग-अलग गुण हैं, जो हर पक्षी में नहीं होते, लेकिन पक्षी पेरेग्रीन फॉल्कॉन में ये दोनों ही विशेषताएं होती हैं। आकार में छोटा सा दिखने वाला यह पक्षी कुछ ही हफ्तों में हजारों किलोमीटर की उड़ान भर सकता है। उसे विश्व का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी भी कहा जा सकता है। इसे अपना आहार जुटाने के लिए शिकार पकड़ना होता है तो इसकी रफ्तार 300 किलोमीटर प्रति घंटे से भी तेज होती है।

साइबेरियन पक्षियों का मेला

वन्यजीव विभाग, भिंडावास झील के स्थानीय अधिकारी देवेंद्र हुड्डा ने बताया कि साइबेरियन देशों से आने वाले पक्षियों की सैकड़ों प्रजातियां हैं। इनमें मार्श रेसिपीपर, आम रेत कीपिंग, ग्रीन रेडपीपर, सामान्य स्कूप्स, सामान्य रेडशैंक, स्पॉटेड रेडशैंक, जल-कपोत ग्रेलेग गूज, उत्तरी शावलर, फ्लेमिंगोस पोचर्ड, टिमिनिक कार्यकाल, मार्श हैरियर आम टीला, व्हाइट आइबिल, पेंटिड स्ट्रॉक, स्कूनबिल, नॉदर्न सोलर, मलाइड, फ्लेमिंगो, पेंटल आदि पक्षी हैं।

इनके अलावा पेलीसिन, रोजी पेलीसन, कॉमन क्रेन, डेमार सेल, बारहेडिड गूज, परपर्ल हॉर्न, नेकस्टॉर्क, पेंटेड स्टॉर्क, ह्वाइट नेक, ग्रे पेलिसन, पिनटेल डक, शोवलर, डक, कॉमनटील, डेल चिक, मेलर्ड, पोचार्ड, गारगेनी टेल, फ्लेमिंगो सहित कई प्रजाति के पक्षी भी आते रहे हैं। साइबेरिया, ब्रिटेन, मंगोलिया, मध्य एशिया से हजारों की संख्या में विदेशी परिंदे मध्यभारत के मैदानों में आते हैं।

रेड-ब्रेस्टेड मर्गेन्सर उड़ान में सबसे तेज़ बतखों में से हैं, जिनकी गति 150 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक है। सोनू दलाल ने बताया कि गांव मांडोठी में एक वेटलैंड में दिसंबर माह के दौरान एक मादा मर्गेन्सर बतख को देखा गया जो करीब 15 दिन तक यहां रहा। रेड-ब्रेस्टेड यूरोप और उत्तरी अमेरिका का वासी है जो सर्दियों के दौरान चीन और पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में जाता है। दिल्ली-एनसीआर में यह पहली बार देखा गया है। ये पक्षी आमतौर पर विशाल झुंड में यात्रा करते हैं। संभावना है कि यह पक्षी रास्ता भटक गया और अन्य प्रजाति के पक्षियों के साथ इधर आ गया। भारत में रेड-ब्रेस्टेड मर्गेंसर का पहला फोटोग्राफिक रिकॉर्ड 21 दिसंबर, 2016 का है, जब इसे महाराष्ट्र के वसई तालुका व राजावली गांव के एक वेटलैंड में देखा गया था।

वसंत पंचमी

भारत में बसंत पंचमी का पर्व मुख्य उत्सव है। ये त्यौहार सर्दी के मौसम के खत्म होने को और बसंत ऋतु के आगमन को दर्शाता है। हिंदू पंचांग में ये हर साल माघ के महीने में पड़ता है, जो कलेंडर के हिसाब से फरवरी माह का समय होता है। इस वर्ष 16 फरवरी को बसंत पंचमी पर्व है।

ऋतुराज बसंत के आने से माहौल खुशनुमा और मनोहर हो जाता है। भारतीय पंचांग के अनुसार छह प्रकार की ऋतुएं होती हैं और बसंत ऋतु को इस सभी ऋतुओं का राजा कहा जाता है। बसंत के आने से प्रकृति को नया जीवन मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन से तापमान बढ़ जाता है और दिन बड़े होने लगते हैं। उत्तर भारत में पड़ने वाली कड़ाके की ठंड के बाद बसंत पंचमी से तापमान बढ़ने से मौसम सुखद हो जाता है। सभी पशु-पक्षी और जीव आनंदमय अनुभव करते हैं। सभी पेड़-पौधों में नई कपोल आने लगती हैं। मौसम को देखकर ऐसा लगता है जैसे प्रकृति भी उत्सव मना रही है।

बसंत पंचमी का महत्त्व

हिंदू कैलेंडर के हिसाब से बसंत पंचमी माघ महीने की शुक्लपक्ष की पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। साल के कुछ ख़ास शुभ मुहूर्त में से एक होने के कारण इसे अबूझ मुहूर्त भी कहा जाता है। इस दिन विवाह, गृह प्रवेश और अन्य प्रकार के शुभ कार्य संपन्न कराए जाते हैं। बसंत पंचमी के दिन प्रायः शिशुओं का अन्नप्रासन भी कराया जाता है। इस अनुष्ठान में शिशु को पहली बार अन्न खिलाया जाता है। यही नहीं, बसंत पंचमी के दिन बच्चों का अक्षरारंभ भी कराया जाता है ताकि ज्ञान की देवी सरस्वती उन पर प्रसन्न हों और उन्हें विद्वान होने का आशीर्वाद दें।

पीला रंग

बसंत ऋतु में पीले रंग का विशेष महत्त्व है। बसंत ऋतु को पीले रंग का प्रतीक माना जाता है। इस दिन पूजा विधि में भी पीले रंग के वस्तुओं का इस्तेमाल करते हैं। साथ ही पीले रंग के कपड़े पहनने को भी वरीयता दी जाती है। बसंत पंचमी के दिन पीले रंग के व्यंजन भी बनाए जाते हैं जिनमें मीठे चावल, केसरिया शीरा, बूंदी के लड्डू और राजभोग विशेष रूप से पसंद किए जाते हैं।

पूजा की विधि

बसंत पंचमी के दिन पूजा करते समय सफेद या पीले रंग के वस्त्रों को धारण करें। साथ ही देवी सरस्वती को पीले या सफेद रंग के फूलों को अर्पित करें। देवी सरस्वती को दही, मिस्री या केसर युक्त खीर का भोग लगा सकते हैं। बसंत पंचमी के दिन देवी को दूध, दही, घी और नारियल भी चढ़ाया जाता है।

श्री पंचमी

आज के दिन धन की देवी 'लक्ष्मी' (जिन्हें श्री भी कहा गया है) और भगवान विष्णु की भी पूजा की जाती है। कुछ लोग देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती की पूजा एक साथ ही करते हैं। सामान्यतः कारोबारी या व्यवसायी वर्ग के लोग देवी लक्ष्मी की पूजा करते हैं। लक्ष्मी जी की पूजा के साथ श्री सूक्त का पाठ करना अत्यंत लाभकारी माना गया है।

प्रकृति का उत्सव

आया वसंत आया वसंत
छाई जग में शोभा अनंत।

सरसों खेतों में उठी फूल
बौरें आमों में उठीं झूल
बेलों में फूले नये फूल

पल में पतझड़ का हुआ अंत
आया वसंत आया वसंत।

लेकर सुगंध बह रहा पवन
हरियाली छाई है बन बन,

सुंदर लगता है घर आंगन

है आज मधुर सब दिग दिगंत
आया वसंत आया वसंत।

भौंरे गाते हैं नया गान,
कोकिला छेड़ती कुहू तान
हैं सब जीवों के सुखी प्राण,

इस सुख का हो अब नहीं अंत
घर-घर में छाये नित वसंत।

सोहन लाल द्विवेदी

पी सी मीणा, भा.प्र.से. प्रबंध निदेशक, संवाद (सूचना जन संपर्क एवं भाषा विभाग) हरियाणा द्वारा हरियाणा सरकार के लिए कमरा नं. 314, दूसरी मंजिल, लघु सचिवालय, सेक्टर-1, पंचकूला से प्रकाशित।
कार्यालय : संवाद सोसायटी एससीओ 23, पहली मंजिल, सेक्टर 7, चंडीगढ़ फोन : 0172-2723814, 2723812 email : editorsamvad@gmail.com